जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. शेखर सिंह बघेल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 45
दिनांक 17.03.2022

जनेकृविवि के वैज्ञानिकों ने 500 पौधों की डीएनए बारकोडिंग तैयार की
इस तकनीक से नकली और मिलावटी औषधि जड़ी–बूटियों का परीक्षण होगा आसान

जबलपुर 17 मार्च। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र के वैज्ञानिकों ने संकट ग्रस्त 500 प्लान्ट्स की डीएनए बार कोडिंग तैयार की है। केन्द्र के डायरेक्टर डॉ. शरद तिवारी ने बताया कि जैनेटिक तरीके से पौधों की पहचान सुरक्षित करने के लिए यह तकनीक ईजाद की है। अब तक 5 सौ से अधिक पौधों की प्रजातियों और 150 से अधिक औषधीय पौधों की डीएनए बार कोडिंग तैयार की गई है।

इनमें विलुप्त होती धान, गेहूं समेत अमरकंटक में पाई जाने वाली दुर्लभ प्रजातियां भी शामिल हैं। पौधों और पुरानी किस्मों के बीजों के जर्नप्लाज्म के साथ उत्पादन बढ़ाने में मदद करने वाले किसानों के मित्र कीटों की जेनेटिक प्रोफाइड भी संरक्षित की जा रही है। इस विधि से पौधों की प्रजाति, उनकी विशेषता आदि का पता लगाया जा सकेगा। डीएनए फिंगर प्रिंट की बदौलत बौद्धिक अधिकार संबंधी अनादिकृत दावे को खारिज करने में भी मदद मिलेगी। इस तकनीक से उत्पाद की 100 फीसदी सही जानकारी मिलती है और उत्पाद को अन्तर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने में अहम भूमिका होती है। ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश बायो डायवर्सिटी के मामले में समृद्ध है। जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र के डायरेक्टर डॉ. शरद तिवारी, वैज्ञानिक डॉ. कीर्ति तंतुवाय, डॉ. नीारज त्रिपाठी सहित अन्य विशेषज्ञों की टीम ने मेथा, तुलसी, पत्थरचूर, साइप्रस, भटकटाई, कोदो–कुटकी, चावल की पुरानी प्रजातियों सहित कई फसलों की बारकोडिंग की है। उनका कहना है कि इनमें से कुछ बारकोडिंग का पेटेंट भी कराया गया है। दालों, चावल व अन्य फसलों में मिलावट की जांच करने में आसानी होगी। औषधी पौधों के बार कोडिंग से महत्वपूर्ण यह है कि जड़ी–बूटियां तथा औषधियां आयुर्वेदिक उत्पादों में हो रही मिलावट की जांच इस बारकोडिंग की टैस्टिंग से तत्काल हो सकेगी। आजकल यह देखा जा रहा है कि जगह–जगह जड़ी–बूटियां बेची जा रही हैं। आयुर्वेदिक दवाओं से सैकड़ों कंपनियां दवाएं बना रही हैं। लेकिन जिन पौधों से ये दवाएं बन रही हैं, उनकी जांच नहीं हो रही है। इस कारण इस जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र के वैज्ञानिकों का शोध विश्वस्तर पर बहुत ही महत्वपूर्ण बन गया है, जो कि जनसाधारण के स्वास्थ्य को ठीक करने में सार्थक सिद्ध होगा। इस उपलब्धि पर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ. पीजी नाज पाण्डे, रजत भार्गव, सुभाषचन्द्र ठाकुर, कुंवर सिंह, केसी सोनी सहित अन्य सदस्यों ने जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र के डायरेक्टर डॉ. शरद तिवारी और उनकी वैज्ञानिक टीम को सम्मानित किया और इस बड़ी उपलब्धि को संस्कारधानी की देश को विशेष देन करार दिया।

–000–